[This question paper contains 6 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3623 **FC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Name of the Course : **B.A. (Hons.), Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. (a) Translate the following:

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ।।

OR (अथवा)

सर्वातिरिक्तसारेण सर्वतेजोऽभिभाविना।

स्थितः सर्वोन्नतेनोर्वी क्रान्त्वा मेरुरिवात्मना।। (4)

P.T.O.

(b) Explain the following :

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

क्व सूर्यप्रभवो वंश: क्व चाल्पविषया मति:।

तितीषुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

OR (अथवा)

आकारसदृशप्रज्ञ: प्रज्ञया सदृशागम:।

आगमै: सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदय:।। (6)

2. (a) Translate the following:

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

प्रतिक्षणं सा कृतरोमविक्रियां

व्रताय मौञ्जीं बभार याम्।

अकारि तत्पूर्वनिबद्धया तया

सरागमस्या रसानागुणास्पदम्।।

OR (अथवा)

मृणालिकापेलवमेवमादिभिर्व्रतै: स्वमङ्गं ग्लपयन्त्यहर्निशम्।

तप: शरीरै: कठिनैरुपार्जितं तपस्विनां दूरमधश्चकारसा।। (4)

(b) Explain the following:

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहै:

जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।

न षट्पदश्रेणिभिरेव पङ्कजं

सशैवलासंगमपि प्रकाशते।।

OR (अथवा)

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं

त्वगुत्तरासंगवतीमधीतिनीम्।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागम-

न्न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।। (6)

3. (a) Translate the following :

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

सखीनिव प्रीतियुजोऽअनुजीविनः समानमानान् सुहृदश्च बन्धुभिः।

स सन्ततं दर्शयते गतस्मयः कृताधिपत्यामिव साधु बन्धुताम्।।

OR (अथवा)

कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः।

तवाभिधानाद् व्यथते नताननः दुसहान्मन्त्रपदादिवोरगः।। (4)

(b) Explain the following :

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

क्रियासु युक्तैर्नृपचारचक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधुसाधु वा हितंमनोहारि च दुर्लभं वचः।।

OR (अथवा)

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधि मण्डलं भुवः।

स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यतीरहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता।। (6)

4. (a) Explain of the following:

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति।।

OR (अथवा)

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं

विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।

विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता।

विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः।। (6)

(b) Answer the following question in Sanskrit :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए:

(i) कस्य चित्तं न आराधयेत्?

(ii) केन रूपेण मृगाश्चरन्ति?

(iii) कः परिग्रहफल्गुतां न गणयति?

(iv) विदेशे कः बन्धुः?

(v) कः सुखमाराध्यः?

(5)

5. Write grammatical notes on any **four** of the following:

किन्हीं **चार** पर व्याकरण सम्बन्धी टिप्पणी लिखिए:

उवाच, मुनीनाम्, विख्याताः, उत्सृष्टुम्, जरसा, प्रजासु, विभज्य, पिबेत्। (4×2=8)

6. Answer in any **two** of the following question :

(a) Evaluate Kalidas as a poet.

(b) What are the common traits of the kings of Raghuvansha.

(c) Describe the characteristic of the foolish persons according to Bhartrihari.

(d) Write a note on the contents of the Ist canto of Kiratarjuniyam.

(e) Describe the penance of Parvati according to the 5th canto of Kumarsambhavam. (8×2=16)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) कालिदास का कवि के रूप में मूल्याङ्कन कीजिए।

(ख) रघुवंशी राजाओं के सामान्य गुणों का परिचय दीजिए।

(ग) भर्तृहरि के अनुसार मूर्खों के स्वरूप का वर्णन करें।

(घ) किरातार्जुनीयम् के प्रथमसर्ग की विषय वस्तु का वर्णन कीजिए।

(ङ) कुमारसम्भव के पंचमसर्ग के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

7. Discuss the origin of Sanskrit gitikavyas. Write a note on the giti-romances of Jayadeva and Bilhana. (10)

गीतिकाव्य के उद्‌भव का उल्लेख करते हुए जयदेव एवं बिल्हण की गीति रचनाओं पर टिप्पणी लिखिए।

OR (अथवा)

Discuss the origin and development of Mahakavya romances in Sanskrit Literature.

संस्कृत साहित्य में महाकाव्यों के उद्‌भव एवं विकास की विवेचना कीजिए।